

FYUGP/FYIMP का कार्यक्रम-विशिष्ट परिणाम (पीएसओ):

- विभिन्न संदर्भों में हिन्दी भाषा और साहित्य की विशेषज्ञता का प्रदर्शन करना ।
- संचार और अभिव्यक्ति, आलोचनात्मक सोच और विश्लेषण, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सहानुभूति जैसे जीवन-कौशलों की वृद्धि कर लागू करना ।
- मानव-मूल्यों, नैतिक आचार-विचार आदि को आत्मसात कर एवं शास्त्रीय और लोक-साहित्य, सांस्कृतिक विरासत और परम्पराओं, दार्शनिक और आध्यात्मिक ग्रंथों को दृष्टिगत करके भारतीय ज्ञान प्रणाली का बोध प्राप्त करना ।
- दृढ़ वैज्ञानिक तर्क और नैतिक सिद्धांतों पर आधारित उच्च-स्तरीय अनुसंधान का उत्पादन करना, जो मौजूदा ज्ञान को बढ़ाने के लिए मौलिक अंतर्दृष्टि प्रदान करने की क्षमता रखता हो ।

प्रथम छमाही

कोर्स-कोड : HIN-MJ-010104

कोर्स का नाम : हिन्दी सम्प्रेषण

कोर्स-लेवल : 100-199

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स के अध्ययन से हिन्दी के विद्यार्थी निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे :

1. सम्प्रेषण की अवधारणा, प्रकार, उपयोगिता, महत्व और भाषा के साथ उसके अंतर्संबंध को रेखांकित कर पायेंगे ।
2. लिखित सम्प्रेषण के अन्तर्गत अनौपचारिक पत्र-लेखन, सम्पादक को पत्र, निबन्ध-लेखन, संवाद-लेखन एवं मुहावरे, लोकोक्तियाँ, सारांश-लेखन आदि के सम्बन्ध में पूर्व-ज्ञान का स्मरण कर पायेंगे ।

3. पठन-श्रवण हेतु निर्धारित लिखित सामग्री का पाठ कर उच्चारण की शुद्धता सुनिश्चित कर पायेंगे।
4. हिन्दी ध्वनियों की औच्चारणिक विशेषताओं के सैद्धांतिक ज्ञान को मौखिक और लिखित सम्प्रेषण के व्यावहारिक अनुप्रयोग में ला पायेंगे।
5. हिन्दी भाषा की अखिल भारतीय आवश्यकता के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न औपचारिक और अनौपचारिक संदर्भों में अपनी हिन्दी-सम्प्रेषण-क्षमता को विकसित कर पायेंगे।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	सम्प्रेषण – अवधारणा, प्रकार, उपयोगिता, महत्व; भाषा एवं सम्प्रेषण; हिन्दी ध्वनियों की औच्चारणिक विशेषताएँ	15	25 (15+10)
2	1	मौखिक सम्प्रेषण – अभिवादन; अपना परिचय-प्रदान; दूसरे की परिचय-प्राप्ति; आत्मीय-जनों एवं मित्रमंडली के साथ वार्तालाप; अपरिचित-जनों के साथ बातचीत; सामग्रियों के क्रय-विक्रय, यातायात-परिवहन, कार्यालय, बैंक-डाकघर आदि में सम्बद्ध जनों से विचार-विनिमय/वार्तालाप; साक्षात्कार का सामना कैसे करें- जैसे मौखिक सम्प्रेषण के विविध प्रसंग	15	25 (15+10)
3	1	लिखित सम्प्रेषण – अनौपचारिक/पारिवारिक पत्र-लेखन, आवेदन-पत्र-लेखन, सम्पादक के नाम पर पत्र-लेखन, निबन्ध-लेखन, अनुच्छेद-लेखन, संवाद-लेखन	15	25 (15+10)
4	1	(क) पठन-श्रवण (केवल आंतरिक परीक्षण के लिए) – मातृभूमि (मैथिलीशरण गुप्त), पुष्प की अभिलाषा (माखनलाल चतुर्वेदी), झाँसी की रानी (सुभद्रा कुमारी चौहान), जनतंत्र का जन्म (रामधारी सिंह दिनकर), दो बैलों की कथा (कहानी), अशोक के फूल (निबन्ध) (ख) मुहावरे, लोकोक्तियाँ, पल्लवन, संक्षेपण, अपठित गद्यांश और प्रश्नोत्तर	15	25 (15+10)

द्रष्टव्य : आंतरिक परीक्षण के अंतर्गत इकाई 4 (क) से 10 अंक के लिए मौखिकी रहेगी जिसके तहत निर्धारित लिखित सामग्री के पठन, बातचीत, समूह-चर्चा आदि की व्यवस्था होगी। शेष 30 अंक के लिए सत्रीय परीक्षा, गृहकार्य आदि की व्यवस्था रहेगी।

निर्धारित एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. राष्ट्रवाणी – प्रो० वासुदेव सिंह (सम्पा०), संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
2. कृति कथाएँ – डॉ० शुकदेव सिंह (सम्पा०), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. अशोक के फूल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना – डॉ० वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
5. मानक व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना – श्यामजी गोकुल वर्मा, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
6. सम्प्रेषण कला – अरुण चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
7. हिन्दी भाषा सम्प्रेषण और संचार – अनिरुद्ध कुमार सुधांशु एवं महांथी प्रसाद यादव, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
8. सम्प्रेषण कला – डॉ० बलवीर कुंदरा एवं महेन्द्र प्रताप सिंह, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. सम्प्रेषण : चिन्तन और दक्षता – डॉ० मंजु मुकुल, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली।

FYUGP/FYIMP का कार्यक्रम-विशिष्ट परिणाम (पीएसओ):

- विभिन्न संदर्भों में हिन्दी भाषा और साहित्य की विशेषज्ञता का प्रदर्शन करना ।
- संचार और अभिव्यक्ति, आलोचनात्मक सोच और विश्लेषण, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सहानुभूति जैसे जीवन-कौशलों की वृद्धि कर लागू करना ।
- मानव-मूल्यों, नैतिक आचार-विचार आदि को आत्मसात कर एवं शास्त्रीय और लोक-साहित्य, सांस्कृतिक विरासत और परम्पराओं, दार्शनिक और आध्यात्मिक ग्रंथों को दृष्टिगत करके भारतीय ज्ञान प्रणाली का बोध प्राप्त करना ।
- दृढ़ वैज्ञानिक तर्क और नैतिक सिद्धांतों पर आधारित उच्च-स्तरीय अनुसंधान का उत्पादन करना, जो मौजूदा ज्ञान को बढ़ाने के लिए मौलिक अंतर्दृष्टि प्रदान करने की क्षमता रखता हो ।

प्रथम छमाही

कोर्स-कोड : HIN-MN-010104

कोर्स का नाम : हिन्दी सम्प्रेषण

कोर्स-लेवल : 100-199

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स के अध्ययन से हिन्दी के विद्यार्थी निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे :

1. सम्प्रेषण की अवधारणा, प्रकार, उपयोगिता, महत्व और भाषा के साथ उसके अंतर्संबंध को रेखांकित कर पायेंगे ।
2. लिखित सम्प्रेषण के अन्तर्गत अनौपचारिक पत्र-लेखन, सम्पादक को पत्र, निबन्ध-लेखन, संवाद-लेखन एवं मुहावरे, लोकोक्तियाँ, सारांश-लेखन आदि के सम्बन्ध में पूर्व-ज्ञान का स्मरण कर पायेंगे ।

3. पठन-श्रवण हेतु निर्धारित लिखित सामग्री का पाठ कर उच्चारण की शुद्धता सुनिश्चित कर पायेंगे।
4. हिन्दी ध्वनियों की औच्चारणिक विशेषताओं के सैद्धांतिक ज्ञान को मौखिक और लिखित सम्प्रेषण के व्यावहारिक अनुप्रयोग में ला पायेंगे।
5. हिन्दी भाषा की अखिल भारतीय आवश्यकता के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न औपचारिक और अनौपचारिक संदर्भों में अपनी हिन्दी-सम्प्रेषण-क्षमता को विकसित कर पायेंगे।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	सम्प्रेषण – अवधारणा, प्रकार, उपयोगिता, महत्व; भाषा एवं सम्प्रेषण; हिन्दी ध्वनियों की औच्चारणिक विशेषताएँ	15	25 (15+10)
2	1	मौखिक सम्प्रेषण – अभिवादन; अपना परिचय-प्रदान; दूसरे की परिचय-प्राप्ति; आत्मीय-जनों एवं मित्रमंडली के साथ वार्तालाप; अपरिचित-जनों के साथ बातचीत; सामग्रियों के क्रय-विक्रय, यातायात-परिवहन, कार्यालय, बैंक-डाकघर आदि में सम्बद्ध जनों से विचार-विनिमय/वार्तालाप; साक्षात्कार का सामना कैसे करें- जैसे मौखिक सम्प्रेषण के विविध प्रसंग	15	25 (15+10)
3	1	लिखित सम्प्रेषण – अनौपचारिक/पारिवारिक पत्र-लेखन, आवेदन-पत्र-लेखन, सम्पादक के नाम पर पत्र-लेखन, निबन्ध-लेखन, अनुच्छेद-लेखन, संवाद-लेखन	15	25 (15+10)
4	1	(क) पठन-श्रवण (केवल आंतरिक परीक्षण के लिए) – मातृभूमि (मैथिलीशरण गुप्त), पुष्प की अभिलाषा (माखनलाल चतुर्वेदी), झाँसी की रानी (सुभद्रा कुमारी चौहान), जनतंत्र का जन्म (रामधारी सिंह दिनकर), दो बैलों की कथा (कहानी), अशोक के फूल (निबन्ध) (ख) मुहावरे, लोकोक्तियाँ, पल्लवन, संक्षेपण, अपठित गद्यांश और प्रश्नोत्तर	15	25 (15+10)

द्रष्टव्य : आंतरिक परीक्षण के अंतर्गत इकाई 4 (क) से 10 अंक के लिए मौखिकी रहेगी जिसके तहत निर्धारित लिखित सामग्री के पठन, बातचीत, समूह-चर्चा आदि की व्यवस्था होगी। शेष 30 अंक के लिए सत्रीय परीक्षा, गृहकार्य आदि की व्यवस्था रहेगी।

निर्धारित एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. राष्ट्रवाणी – प्रो० वासुदेव सिंह (सम्पा०), संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
2. कृति कथाएँ – डॉ० शुकदेव सिंह (सम्पा०), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. अशोक के फूल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना – डॉ० वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
5. मानक व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना – श्यामजी गोकुल वर्मा, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
6. सम्प्रेषण कला – अरुण चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
7. हिन्दी भाषा सम्प्रेषण और संचार – अनिरुद्ध कुमार सुधांशु एवं महांथी प्रसाद यादव, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
8. सम्प्रेषण कला – डॉ० बलवीर कुंदरा एवं महेन्द्र प्रताप सिंह, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. सम्प्रेषण : चिन्तन और दक्षता – डॉ० मंजु मुकुल, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली।

❖ योग्यता-वर्धक पाठ्यक्रम (AEC SYLLABUS)

प्रथम छमाही

कोर्स-कोड : HIN-AEC-010104

कोर्स का नाम : हिन्दी काव्य एवं कथा साहित्य

कोर्स-लेवल : 100-199

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स के अध्ययन से हिन्दी के विद्यार्थी निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे :

1. सहस्राधिक वर्षों की हिन्दी काव्य-धारा एवं हिन्दी कथा-साहित्य से परिचित हो पायेंगे।
2. चयनित पाठों के आधार पर आदिकाल से लेकर आधुनिककाल तक के जीवन-बोध, मानव-मूल्य, सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना, आधुनिक युगबोध आदि से जुड़ पायेंगे।
3. काव्य एवं कथा-साहित्य के तत्त्वों के आधार पर चयनित रचनाओं की भाव-संवेदनागत एवं कलागत विशेषताओं का विश्लेषण कर पायेंगे।
4. चयनित मूर्धन्य कवियों एवं कथाकारों की साहित्यिक प्रतिभा एवं कला-कौशल का आकलन कर पायेंगे।
5. काव्य-कथा-रस एवं हिन्दी भाषा के साहित्यिक स्वरूपों का परिचय प्राप्त कर अपनी व्यावहारिक योग्यता को विकसित कर पायेंगे।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	हिन्दी काव्य सुधा – पाब्लिकेशन डिपार्टमेंट, गौ.वि. <u>निर्धारित पाठ</u> : पदावली– 1, 6 (विद्यापति), साखी– 1-5 (कबीरदास), भ्रमरगीत (सूरदास), पद– 1, 2, 3 (मीराबाई), केवट प्रसंग (तुलसीदास), दोहे– 1-5 (बिहारीलाल), कवित्त- 1, 2, 3 (घनानन्द)	15	25 (15+10)
2	1	हिन्दी काव्य सुधा – पाब्लिकेशन डिपार्टमेंट, गौ.वि. <u>निर्धारित पाठ</u> : निज भाषा उन्नति (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र), चित्रकूट में सीता (मैथिलीशरण गुप्त), पुष्प की अभिलाषा (साखनलाल चतुर्वेदी), अशोक की चिन्ता (जयशंकर प्रसाद), तोड़ती पत्थर (सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'), मेरे दीपक (महादेवी वर्मा), उधार (अज्ञेय), टूटा पहिया (धर्मवीर भारती), कुत्ता (धूमिल)	15	25 (15+10)
3	1	हिन्दी कहानी वीथिका – पाब्लिकेशन डिपार्टमेंट, गौहाटी विश्वविद्यालय <u>निर्धारित पाठ</u> : दुलाईवाली (हंगमहिला), कजाकी	15	25 (15+10)

		(प्रेमचन्द), सत्य का मूल्य (यशपाल), जयदोल (अज्ञेय), ठेस (फणीश्वरनाथ 'रेणु'), आत्मा की आवाज (कमलेश्वर)		
4	1	त्यागपत्र (जैनेन्द्र कुमार), पूर्वोदय प्रकाशन, नयी दिल्ली	15	25 (15+10)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
2. विद्यापति -- डॉ॰ आनन्द प्रकाश दीक्षित (संपा.), साहित्य प्रकाशन मन्दिर, ग्वालियर ।
3. कबीर -- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. सूर और उनका साहित्य -- डॉ॰ हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़ ।
5. मीरा का काव्य -- विश्वनाथ त्रिपाठी, दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, दिल्ली ।
6. गोस्वामी तुलसीदास -- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली ।
7. बिहारी का नया मूल्यांकन -- डॉ॰ बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
8. घनानन्दः काव्य और आलोचना -- डॉ॰ किशोरीलाल, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद ।
9. भारतेन्दुः एक नयी दृष्टि -- लहरी राम मीणा, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
10. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अंतर्कथाओं के स्रोत -- शशि अग्रवाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।
11. माखनलाल चतुर्वेदीः काव्य एवं दर्शन -- डॉ॰ दिनेश चन्द्र वर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।
12. महादेवी का नया मूल्यांकन -- डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
13. प्रसाद-निराला-अज्ञेय -- डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
14. धर्मवीर भारती की काव्य-साधना -- डॉ॰ मंजूषा श्रीवास्तव, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद ।
15. आधुनिक हिन्दी कहानी -- डॉ॰ लक्ष्मीनारायण लाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
16. कहानीकार प्रेमचन्दः रचना-दृष्टि और रचना-विधान -- शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
17. यशपाल का कहानी-संसारः एक अंतरंग परिचय -- सी.एम. योहन्नान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
18. कहानीकार अज्ञेयः सन्दर्भ और प्रकृति -- डॉ॰ चन्द्रभानु सोनवणे, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।
19. रेणु का कथा साहित्य -- डॉ॰ सुरेश चन्द्र महरोत्रा, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।
20. कहानीकार कमलेश्वरः सन्दर्भ और प्रकृति -- सूर्यनारायण रणसुभे, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।
21. हिन्दी उपन्यासः एक अंतर्गता -- डॉ॰ रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
22. जैनेन्द्र के उपन्यास -- डॉ॰ परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

❖ कौशल-वर्धक पाठ्यक्रम (SEC SYLLABUS)

प्रथम छमाही

कोर्स-कोड : HIN-SE-010103

कोर्स का नाम : स्पोकन हिन्दी

कोर्स-लेवल : 100-199

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित 10वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 75

बाह्य परीक्षण : 30

आंतरिक परीक्षण : 20

व्यावहारिक परीक्षण : 25

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 2

व्यावहारिक क्रेडिट : 1

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 45

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स के अध्ययन से हिन्दी के विद्यार्थी निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे :

1. खड़ीबोली हिन्दी के बोलचाल के रूप से भली-भाँति परिचित हो पायेंगे ।
2. वर्धित आत्मविश्वास एवं अभिव्यक्ति और सम्प्रेषण की योग्यता की प्राप्ति द्वारा कौशल-सम्बद्ध रोजगार के अवसरों से जुड़ पायेंगे ।
3. बोलचाल की हिन्दी की अवधारणा, स्वरूप और उपयोगिता के साथ-साथ हिन्दी के स्वरों-व्यंजनों की उच्चारण-विधियों को स्पष्ट कर पायेंगे ।
4. हिन्दी की आधारभूत शब्द-सम्पदा का समुचित ज्ञान प्राप्त कर व्यावहारिक संदर्भों में उसका प्रयोग कर पायेंगे ।
5. दैनन्दिन जीवन के सभी संदर्भों में मौखिक स्तर पर सफलतापूर्वक हिन्दी का प्रयोग कर बोलचाल की क्षमता में प्रवीणता को विकसित कर पायेंगे ।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य)
------	---------	------------	--------------	----------------

				परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	स्पोकन हिन्दी : अवधारणा, स्वरूप, उपयोगिता; हिन्दी की स्वर-व्यंजन ध्वनियाँ एवं उनकी उच्चारण-विधियाँ (ह्रस्व और दीर्घ स्वरों के उच्चारण में अन्तर ; शब्द के आद्य, मध्य और अंत्य ‘अ’ के उच्चारण की विशेषताएँ ; च, छ, ज, झ के उच्चारण की विशेषताएँ; दंत्य और मूर्धन्य ध्वनियों के उच्चारण में अन्तर ; श, ष, स ध्वनियों के उच्चारण में अन्तर ; ‘र’ ध्वनि के उच्चारण की विविध स्थितियाँ; ‘क्ष’ और ‘च्छ’ के उच्चारण की विशेषताएँ ; र, ड और ढ के उच्चारण में अन्तर-- इन बातों पर विशेष ध्यान)	15	25 (10+7+8)
2	1	हिन्दी की आधारभूत शब्द-सम्पदा : शरीर के अंग, मनुष्य एवं मानवीय संबंध, पोशाक, गहने, खाद्य-पदार्थ, साग-सब्जी, फल-फूल, पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, घरेलू चीज़ें, काम करने के औज़ार, सवारी, बीमारी-दवा, खेल-कूद, तिथियाँ, दिनों के नाम, महीनों के नाम, संख्या-गिनती, संगीतवाद्य, अनाज, रंग, व्यवसाय, आकाश, क्रियाएँ इत्यादि सूचक संज्ञा शब्द; हिन्दी के सर्वनाम, विशेषण और अव्यय शब्द	15	25 (10+6+9)
3	1	अभिवादन; अपना परिचय-प्रदान; दूसरे की परिचय-प्राप्ति; आत्मीय-जनों एवं मित्रों के साथ वार्तालाप, अपरिचित-जनों के साथ बातचीत; शिक्षण-संस्थान, बाज़ार, यातायात-परिवहन, बैंक-डाकघर, विभिन्न कार्यालय, खेल-कूद, मनोरंजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अस्पताल, संचार-माध्यम इत्यादि के संदर्भों में सम्बद्ध जनों के साथ विविध प्रकार (अर्थ और संरचना की दृष्टि से) के वाक्यों के जरिए विचारों का आदान-प्रदान; मुहावरेदार भाषा में बातचीत	15	25 (10+7+8)

द्रष्टव्य : व्यावहारिक परीक्षण के अन्तर्गत प्रश्नोत्तर, किसी विषय पर भाषण, दो जनों का वार्तालाप, समूह में चर्चा आदि की व्यवस्था रहेगी। विभागीय प्राध्यापकगण, महाविद्यालय के अध्यक्ष/शिक्षण संस्थान के प्रमुख अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि के समक्ष व्यावहारिक परीक्षण एवं मूल्यांकन-कार्य सम्पन्न होगा।

अभ्यास पुस्तकें (सिर्फ पढ़ने के लिए) :

1. *बात-चीत* – असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी।
2. *जानने की बातें* – केशव सागर, राजपाल एण्ड संज, दिल्ली।
3. *पाँच एकांकी* – असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी।
4. *सप्तसरोज* – मुंशी प्रेमचन्द, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *शुद्ध हिन्दी* – डॉ॰ हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. *आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना* – डॉ॰ वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
3. *मानक व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना* – श्यामजी गोकुल वर्मा, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
4. *असमीया हिन्दी लर्निंग कोर्स* – रेपिडेक्स पब्लिकेशन्स।
5. *शुद्ध हिन्दी कैसे सीखें* – राजेन्द्र प्रसाद सिन्हा, भारती भवन, पटना।
6. *Complete Hindi Beginner to Intermediate Course: Learn to read, write, speak, and understand a new language with Teach Yourself* – Rupert Snell, John Murray Learning.
7. *Spoken Hindi from Scratch* – Atharwa Madbhavi, Notion Press Publisher.
8. *Word Book 4 in 1 (Learn English, Hindi, Assamese, and Bengali)* – G.B.D.'s Editorial Board, Good Books Distributors Publishers, Kolkata.